

संपादकीय
नफरत का हमला

पाकिस्तान में बीते शु वार को सिखों के पवित्र तीर्थ नकाना साहिब की घेरेबंदी और पथराव की घटना ने केवल पाकिस्तान और भारत बहिक पूरी दुनिया के सिखों का ध्यान खींचा। पथराव के पीछे एक सिख लड़की के कथित अपहरण और जबरन धर्मांतरण के बाद शादी का ममला है, जिसमें एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद संबंधित परिवार ने नकाना साहिब पर धरना दिया। भीड़ द्वारा पथराव की घटना वहां इसी दौरान हुई। इस प्रकरण ने पाकिस्तान में अन्पसंख्यकों की दुर्दशा को एक बार फिर रेखांकित किया है। पाकिस्तान सरकार अन्य देशों, खासकर भारत में अन्पसंख्यकों की असुरक्षा को लेकर जितनी घिता आजकल दिखा रही है, उसे ध्यान में रखते हुए यह घटना और महत्वपूर्ण हो जाती है।

पाक प्रधानमंत्री इमरान खान ने शु वार को ही उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समाज के लोगों की स्थिति पर चिंता जाते हुए एक विडियो ट्वीट किया, जो बांगलादेश का था। बहरहाल, नकाना साहिब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का एक छोटा सा शहर है जिसकी आबादी करीब 80,000 है। जिला मुख्यालय भी यह 2005 में बना है। संख्या और अर्थिक व सामाजिक हैसियत के लिहाज से सिख पाकिस्तान में हासिये पर हैं। जाहिर है, सिखों के इस धर्मस्थान की यहां के ज्यादातर स्थानीय निवासियों की जगत में कोई खास अहमियत नहीं है। ऐसे में पिछले साल पाकिस्तान सरकार ने करतारपुर कोरिडोर के जरिए भारतीय सिख श्रद्धालुओं को वहां आवेदी की इजाजत देकर अचानक इस शहर का दर्जा काफी ऊचा कर दिया। इसके पीछे इमरान सरकार की सोच चाहे जो भी रही हो, इलाके के आम लोग इस बात को पॉजिटिव ढंग से लें, यह सुनिश्चित करने की कोई ठोस कोशिश वहां शायद ही हो पाई है।

पाकिस्तान में धार्मिक कट्टरपंथ की मजबूत स्थिति को देखते हुए यह सभावना कम है कि किसी भी क्षेत्र की ज्यादातर आबादी किसी अल्पसंख्यक समुदाय की सामाजिक स्थिति में अचानक आई बेहतरी को सहजता से ले सकेगी। नकाना साहिब जैसे दूर-दराज इलाके का तो कहना ही क्या। ऐसे में बहुसंख्यक प्रति या का इलाज क्या है, सिवाय इसके कि वहां लोगों को अन्य धर्मों के प्रति सहिष्णु बनाया जाए, उन्हें धार्मिक कट्टरता के जाल से मुक्त करने का प्रयास किया जाए। जाहिर है, यह काम पाकिस्तान की सामाजिक-जगतीक शक्ति यों को ही करना है। वहां के रैशन ख्याल लोग इसके लिए आगे आ सकते हैं और एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष प्राइवेट देश के रूप में हम उन्हें अपना वैचारिक और नैतिक समर्थन दे सकते हैं, उनका मनोबल बढ़ा सकते हैं। जो लोग इस संदर्भ में नागरिकता संशोधन कानून का हवाला दे रहे हैं, उन्हें समझाना होगा कि ऐसे पीड़ित मजबूरी में झटक आएं वह अलग बात है, लेकिन अगर वे हमारे बुलाने पर भारत आते हैं तो उन्हें इज्जत की जिंदगी हम नहीं दे पाएंगे। ऐसे सभी समुदायों को अपनी लड़ाई अपनी जमीन पर लड़नी होती है और बहुसंख्यकों के साथ मिलकर लड़नी होती है।

आगामी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हूँ: शमी

कोलकाता। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सोशल साइट पर अपनी ट्रेनिंग की तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि वह नए साल की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।



शमी ने ट्रिव्हटर पर पोस्ट की गई अपनी तस्वीर के साथ लिखा, द्वेषिंग जारी है।

नए साल में नई चुनौतियों के लिए तैयारी कर रहा है।

शमी ने पिछले साल 20 वर्ष के मैचों में सर्वाधिक 42 विकेट लिए थे। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ खेली जा रही टी-20 सीरीज से आराम दिया गया है।

शमी अब 14 जनवरी से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली वर्ष के मैचों में भारतीय टीम का हिस्सा होगा। भारतीय तेज गेंदबाज ने पिछले साल विश्वकप में अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रิก ली थी।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपया शुरुआती कारोबार में 22 पैसे उछला

मुंबई (आरएनएस)। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपया मंगलवार को शुरू आती मुद्रा के मुकाबले 22 रुपये बढ़कर 71.71 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतर बैंक विदेशी विनियम बाजार में रुपया बढ़त के साथ खुला और ब्रेंट कच्चा तेल 1.23 प्रतिशत कमज़ोर होकर 68.06 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था। इस बैचे, घेरल शेयर बाजार में मंगलवार को शुरू आती कारोबार में अपनी बढ़त का करकरा रखते हुए कारोबार कर रहा है। रुपया सोमवार को अमेरिकी मुद्रा की तुलना में 71.93 रुपये प्रति सेप्सेक्स 453.06 अंक यानी 1.11 प्रतिशत बढ़कर 41,129.69 अंक पर चल रहा था।

न्यू जीलैंड दौरा आसान नहीं होगा लैकिन मैं तैयार हूँ: रोहित शमी
नहीं दिल्ली। हाल ही में टेस्ट ओपनर की जिम्मेदारी संभालने वाले रोहित शमी मानते हैं कि न्यू जीलैंड का घाटक फास्ट बॉलिंग एटेक अपने घर में और भी ज्यादा कारोबार साबित होता है क्योंकि वह अपनी योजनाओं को बहुबी अंजाम देते हैं। लेकिन इसके बावजूद रोहित मानते हैं कि वह अनेक चैलेंज के लिए पूरी तरह से तैयार है। टेस्ट में ओपनिंग की जिम्मेदारी संभालने के बाद अब तक एक दोहरे शतक समेत तीन शतक ठोक चुके रोहित इस बार न्यू जीलैंड जाकर नई लाल गेंद से नील वैगन, मैट हनरी, टेंट बोल्ट और अंग दोहरे शतक के लिए आगे आ रहे। इसके बाद अपनी योजना के अन्तिम चरण में इंडिया के लिए आगे आ रहे। यहां भारतीय टीम को दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जो फरवरी में वेलिंग्टन और क्राइस्टचर्च में खेले जाएंगे।

जिंदल स्टील एं पावर ने तीसरी तिमाही में रिकॉर्ड 16.1 लाख टन इस्पात का किया उत्पादन
नयी दिल्ली (आरएनएस)। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेस्पीएल) ने चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 16.1 लाख टन इस्पात का उत्पादन किया। यह किसी भी तिमाही में कंपनी का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 8,17,344 टन और 7,92,822 टन का योगदान किया। जिंदल स्टील एंड पावर के प्रबंध निदेशक ने इस्पात उत्पादन में 8,17,344 टन और 7,92,822 टन का योगदान किया। यह किसी भी तिमाही में कंपनी का सर्वाधिक उत्पादन है। कंपनी ने गंगा वर्ष के बाद उसकी नेटवर्थ सकारात्मक हो गई है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राकेश मोहन अग्रवाल ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। कंपनी रायगढ़ के बावजूद एक वर्ष में 563.23 करोड़ रुपये थे। कंपनी ने कहा है कि 16 साल के बाद उसकी नेटवर्थ सकारात्मक हो गई है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राकेश मोहन अग्रवाल ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। कंपनी रायगढ़ के बावजूद एक वर्ष में 563.23 करोड़ रुपये थे।

आईटीआई का दिसंबर तिमाही मुनाफा बढ़कर 168 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली (आरएनएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की आईटीआई का एकीकृत शुद्ध लाप दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में कई गुना बढ़कर 168.25 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 13.58 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 13.58 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 13.58 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

कंपनी ने कहा कि इसी तिमाही में कंपनी ने 13.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाप कमाया था। बैंक शेयर बाजार को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि इसी तिमाही में कंपनी ने 13.58 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

कंपनी ने कहा है कि 16 साल के बाद उसकी नेटवर्थ सकारात्मक हो गई है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राकेश मोहन अग्रवाल ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। कंपनी रायगढ़ के बावजूद एक वर्ष में 563.23 करोड़ रुपये थे।

कंपनी ने कहा है कि 16 साल के बाद उसकी नेटवर्थ सकारात्मक हो गई है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राकेश मोहन अग्रवाल ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। कंपनी रायगढ़ के बावजूद एक वर्ष में 563.23 करोड़ रुपये थे।

कंपनी ने कहा है कि 16 साल के बाद उसकी नेटवर्थ सकारात्मक हो गई है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राकेश मोहन अग्रवाल ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। कंपनी रायगढ़ के बावजूद एक वर्ष में 563.23 करोड़ रुपये थे।

कंपनी ने कहा है कि 16 साल के बाद उसकी नेटवर्थ सकारात्मक हो गई है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राकेश मोहन अग्रवाल ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। कंपनी रायगढ़ के बावजूद एक वर्ष में 563.23 करोड़ रुपये थे।

कंपनी ने कहा है कि 16 साल के बाद उसकी नेटवर्थ सकारात्मक हो गई है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राकेश मोहन अग्रवाल ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। कंपनी रायगढ़ के बावजूद एक वर्ष में 563.23 करोड़ रुपये थे।

कंपनी न